Class-X

Hindi-B (085)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड – क

उ०1.(क). 'मनुष्यता' कविता में कवि ने सब को साथ चलने की प्रेरणा दी है क्योंकि हर मनुष्य एक दूसरे का बंधु है और सब को साथ मिलकर चलना चाहिए जिससे की हर किसी का लाभ हो। इससे समाज में एक दूसरे के प्रति परोपकार और प्रेम की भावना ~~उत्पन्न~~ ~~उत्प~~ उजागर होगी। हर मनुष्य को दूसरे मनुष्यों की सहायता से आगे बढ़ना चाहिए ताकि हर किसी का लाभ हो और एकता, परोपकार, प्रेम, सहानुभूति आदि भावनाएँ उजागर हों।

(ग). 'फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है' – 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर इस पंक्ति में लिखित 'इस जश्न' का आशय है कि जब सैनिक, 1962 भारत-चीन युद्ध में लड़ रहे थे, तो वे अपनी मौत को भी जश्न की तरह मना रहे थे क्योंकि उनके बलिदान के पश्चात ही देश को जीत मिल पाती। जीत के जश्न को हम तब ही मना पाएँगे, जब सैनिकों के बलिदान और उनकी लड़ाई का जश्न समाप्त हो जाएगा। अतः कवि ने फ़तह के जश्न को बाद में मनाने को कहा है।

P.T.O →

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ. 2. (क). 'हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए।'
'झेन की देन' पाठ के आधार पर यह कथन सत्य है। हम सब ~~लोगों~~ वर्तमान में जीना नहीं चाहते हैं, या तो हम भूतकाल की पुरानी यादों में खोए रहते हैं, या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम यह बात नहीं समझते कि यह दोनों काल, भूत और भविष्य, मिथ्या हैं, एक जा चुका है और दूसरा अभी आया नहीं। हमारे पास केवल वर्तमान काल है, हमें उसी में जीना चाहिए और अपने मस्तिष्क को भी वर्तमान में ही सोचने देना चाहिए।

मैं, भी इस कथन से सहमत हूँ। हम सभी लोग या तो भूत या भविष्य काल के बारे में सोचते रहते हैं परंतु ये दोनों काल मिथ्या हैं। हम सब लोगों को वर्तमान क्षण में के बारे में ही सोचना चाहिए और वर्तमान के लिए ही सभी कार्य करने चाहिए।

उ. 3. (क). "हरिहर काका की कहानी वृद्धों के प्रति संवेदनहीन होते समाज की कथा है।"
यह बात सत्य है कि वृद्धों के प्रति संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। सभी नौजवान लोग वृद्ध माँ-बाप या किन्हीं और वृद्ध लोगों से केवल लाभ उठाना चाहते हैं परंतु कभी उनकी सेवा नहीं करते। हरिहर काका की भी कोई सेवा नहीं करता था। उनके भाइयों के घर के लोग, उनके पंद्रह बीघे खेत का लाभ उठाना चाहते थे परंतु उनके साथ दुरव्यवहार करते थे। उन्हें अच्छे से खाना तक नहीं दिया जाता था। एक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

CBSE 2020

5

बार महंत जी ने भी हरिहर काका को बंधक बनाकर, उनके साथ मारपीट करी ताकि वे ज़मीन ठाकुरबारी के नाम कर दें। अतः हरिहर काका के साथ बुरा व्यवहार किया जाता था।

3.3 (ख). 'सपनों के से दिन' पाठ के अनुसार, लेखक को नई श्रेणी में जाने की कोई प्रसन्नता नहीं होती थी। लेखक को नई कॉपियों और पुरानी किताबों से ऐसी गंध आती थी कि उनका बालमन उदास हो जाता था। इसका प्रथम कारण था कि उन्हें पढ़ने में रुचि नहीं थी और नई श्रेणी में तो पढ़ाई और भी कठिन हो जाती थी। दूसरा कारण यह था कि अच्छे से न पढ़ने पर, नए और पुराने शिक्षकों की पिटाई से लेखक को बहुत डर लगता था।

P.T.O →

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड – ख

लड़कियों की शिक्षा

3. 4. (क). भारतीय समाज में लड़कों और लड़कियों में बरसों से भेदभाव किया जा रहा है। कई लोग लड़कियों को पढ़ाने में रुचि नहीं रखते और इस प्रकार हमारे देश में लड़कियों का ~~कि~~ विकास नहीं हो पाता है। भारतीय समाज में लड़कियों को लड़कों से नीचे स्तर पर रखा जाता है। भारत में यह मान्यता है कि लड़कियों को घर-गृहस्थी का काम आना चाहिए और उनसे पढ़ाई का अधिकार छीन लिया जाता है। परंतु ~~प्र~~ ~~बिना~~ कोई भी व्यक्ति पढ़ाई-लिखाई के बिना समाज में विकसित नहीं हो सकता और पढ़ने का अधिकार लड़कियों को भी मिलना चाहिए। शिक्षा के कारण ही मनुष्य अपनी दुनिया के बारे में जान पाया है और शिक्षा की सहायता से ही ~~वे~~ मनुष्य नए कीर्तिमान स्थापित कर पाया है। देश, दुनिया, प्रकृति आदि के बारे में जानने का अधिकार लड़कियों के पास भी होना चाहिए। लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करवाने में बहुत कठिनाई भी आती है। कई लोग लड़कियों की शिक्षा का विरोध करते हैं और कई लोग नारी शिक्षा का महत्त्व नहीं समझते। शिक्षाहीन होने से भी महिलाओं को अधिक कठिनाइयाँ होती हैं, वे विकसित नहीं हो पाती हैं और अपने अधिकारों के बारे में भी नहीं जान पाती हैं। यदि लड़के-लड़कियों को समान शिक्षा का अधिकार मिले तो, हमारे देश का भविष्य उज्जवल होगा और विकास की गति कई गुना बढ़ जाएगी। अतः हमें नारी शिक्षा के विषय पर जरूर ध्यान देना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

CBSE HINDI 21-20

3.5 परीक्षा कक्ष
(b) क. ख. ग विद्यालय
च. छ. ज ज़िला

18 मई 2022

संपादक महोदय
संपादकीय विभाग
नव भारत टाइम्स (हिंदी दैनिक)
य. र. ल ज़िला

विषय :- देश में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता प्रकट करने हेतु

श्रीमान्
मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र द्वारा उपरोक्त विषय की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुँचाना चाहता हूँ। कृपया मेरे पत्र के विषय को 'पाठकनामा' कॉलम में प्रकाशित कर अनुग्रहीत करें।

हमारे देश के विभिन्न राज्यों में प्रदूषण का स्तर बढ़ता ही जा रहा है। अत्यधिक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8

वाहनों और फ़ैक्टरियों से निकलते धुएँ से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है और प्लास्टिक के अधिक उपयोग से जल और धरती प्रदूषित हो रहे हैं। इस तरह प्रदूषण बढ़ते जाने से सभी जीवों को हानि पहुँच सकती है। प्रदूषित वायु और जल शरीर में जाते ही कई बीमारियाँ पैदा कर सकते हैं। पेड़-पौधों, जानवरों और इनसानों को भी प्रदूषण से अधिक हानि होती है। सभी राज्य सरकारों और देश की सरकार को भी प्रदूषण से लड़ने के लिए कठिन क़ानून लागू करने चाहिए। सभी लोगों को प्रदूषण मुक्त सी.एन.जी का प्रयोग करने और प्लास्टिक मुक्त जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि देश में बढ़ते प्रदूषण ~~स्त~~ को रोका जा सके।

कृपया मेरी इस परेशानी को उचित अधिकारियों तक पहुँचाने में सहायता करें। मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद!

भवदीय

अ. ब. स

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

9

एकता में बल

36.(a). शीर्षक :- भाईयों की एकता

एक बार की बात है, एक छोटे से गाँव में पाँच भाई अपने माता-पिता के साथ रहते थे। कई साल बीत गए और एक दिन जब वे पाँचों भाई खेत पर काम कर रहे थे, तो उन्हें एक आदमी मिला। वह आदमी उन सब भाईयों की एकता देखकर चकित रह गया। उसने उन सभी में फूट डालकर उनका खेत सस्ते दाम में खरीदने की कोशिश करी और बड़े भाई से कहा, "तुम सबसे बड़े हो खेत का अधिकार तुम्हें मिला होगा; ना? क्या तुम यह खेत मुझे बेच दोगे?" बड़े भाई ने कहा, "हाँ, मैं खेत बेच दूँगा; मैं तो सबसे बड़ा हूँ, खेत पर पूरा अधिकार मेरा है।" उस बड़े भाई ने खेत बेच दिया और सारे भाइयों में लड़ाई भी हो गई। जब वे घर पहुँचे तो उनके पिताजी, खेत को इतने सस्ते में बेच देने पर चिंतित हो गए और अपने पुत्रों को समझाने लगे। बच्चों, उन्होंने सभी भाइयों को एक जगह ~~बिठा~~ बैठा कर समझाते हुए, कहा, "देखो बच्चों! ये पाँच लकड़ियाँ जब साथ हों तो ~~शक्ति~~ शक्तिशाली हथियार हैं परंतु एक लकड़ी से कोई चोट नहीं आती। इसी प्रकार यदि तुम सब साथ मिलकर रहते तो आज तुम्हारा खेत नहीं बिकता। एकता में बल होता है।" सभी भाई ~~ये~~ यह बात समझ गए और सदैव एक रहे।

सीख :- एकता में बल होता है। सदैव एकजुट रहना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

343
1110
10

उ० 7. (क) (b).

पुस्तक
मेला

पुस "पुस्तकें ही, " आते जाओ,
पुस्तकें " पढ़ते जाओ "

विशेषताएँ :-

- सभी तरह की रोमांचक पुस्तकें
- सबसे नए एडीशन, सबसे कम दाम
- सभी बच्चों के मन को भाएँ, इतनी अच्छी पुस्तकें

आज ही टिकट खरीदें :- मात्र ₹ 20 प्रति छात्र

संपर्क करें :-

क. ख. ग विद्यालय, च. छ. ज ज़िला

दूरभाष :- x x x x x x x x x 2 ।

3.7. ख (b).

अ. ब. स शृंगार,

" हर नारी का अधिकार,
है अ.ब.स का शृंगार"

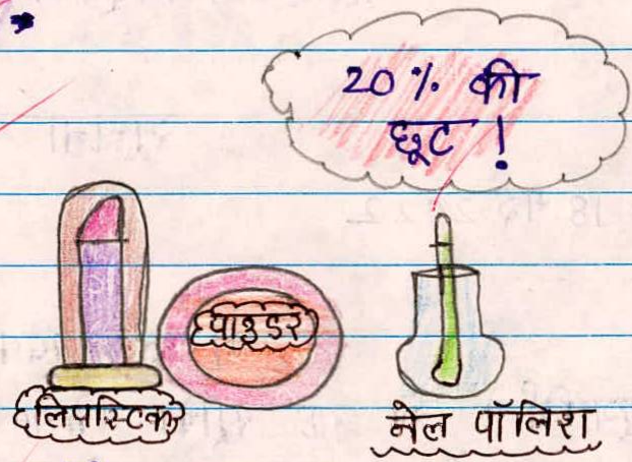

विशेषताएँ :-

- लंबे समय तक टिकने वाला काजल
- सबसे अच्छे नेल पॉलिश और लिपस्टिक
- सबसे अच्छी शृंगार वस्तुएँ, सबसे कम दामों पर

आज ही खरीदें। दाम :- सभी वस्तुओं के दाम अलग अलग हैं।

संपर्क करें :-

अ. ब. स शृंगार, य. र. ल ज़िला

दूरभाष :- x x x x x x x x 98

P.T.O →

345
1110
12

३४.(क). (b).

क॰ख॰ग विद्यालय, च॰छ॰ज ज़िला

सूचना

दिनांक :- 18 मई 2022 वर्ग :- सभी विद्यार्थी

गणतंत्र दिवस आयोजन

सभी विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि गणतंत्र दिवस पर विद्यालय में सांस्कृतिक सभा के द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी इस कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं। सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति आवश्यक है।

दिनांक :- 26 जनवरी 2023

समय :- सुबह 8 से 10 बजे

स्थान :- विद्यालय

XXXX
अ॰ब॰स
सचिव

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

CBSE 2021-22

ख (a).

सागर अपार्टमेंट, क॰ख॰ग ज़िला

सूचना

दिनांक :- 18 मई 2022 वर्ग :- सभी निवासी

जल की बरबादी रोकने हेतु

सभी निवासियों को यह सूचित किया जाता है कि जल बरबाद न होने दें। अपने घरों मे जल के संरक्षण हेतु, टूटे नलों और पाइपों को ठीक करवा लें। जल ही जीवन है, अतः जल का संरक्षण हम सब का फ़र्ज़ है। ध्यान रखें कि एक बूँद पानी भी व्यर्थ न जाए।

XXXX
य॰र॰ल
सचिव

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in